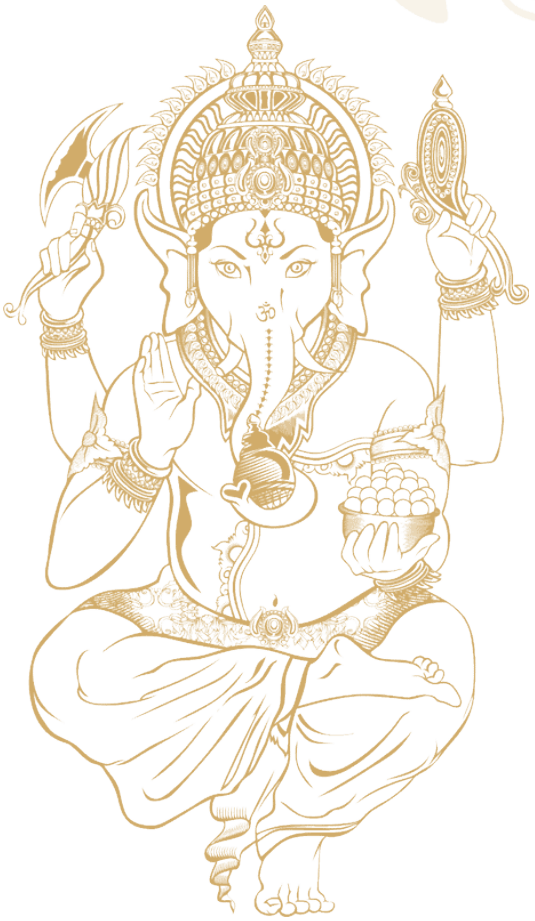

Mr.

11 Dec 2025

06:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120507702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/12/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:17:00 घंटे**
इष्ट	28:02:25 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:55:52 घंटे
वेलान्तर	00:06:44 घंटे
साम्पातिक काल	23:17:49 घंटे
सूर्योदय	07:04:01 घंटे
सूर्यास्त	17:24:59 घंटे
दिनमान	10:20:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:30:23 वृश्चिक
लग्न के अंश	08:39:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	प्रीति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:39:23	326:46:19	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	25:30:23	01:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	21:36:42	12:39:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	02:56:00	00:45:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	05:16:36	01:12:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	29:29:13	00:05:35	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	19:13:30	01:15:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	सम राशि
शनि			मीन	01:05:51	00:01:26	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	18:51:10	00:00:04	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	18:51:10	00:00:04	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:24:42	00:02:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:09:08	00:00:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:55:40	00:01:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	24:18:36	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:15

लग्न-चलित

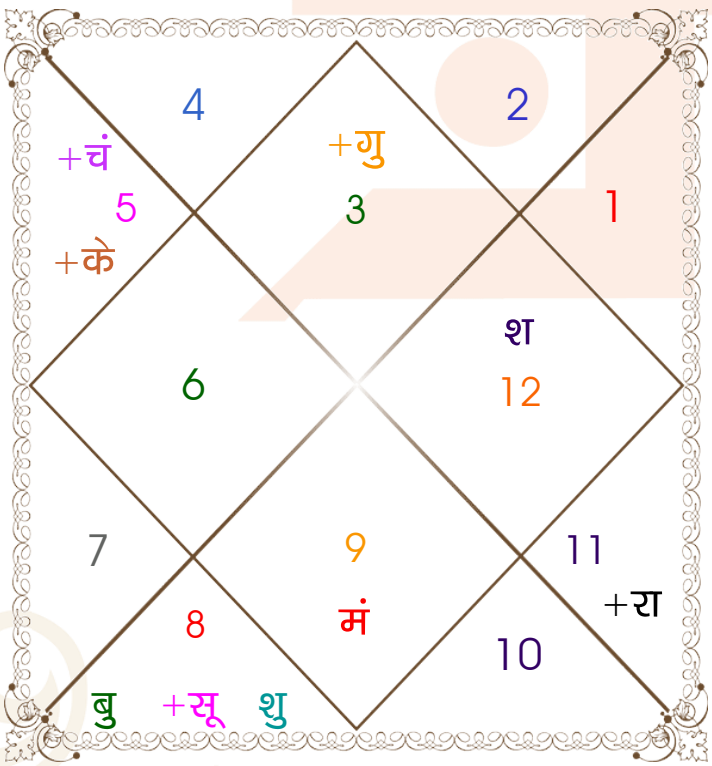

चन्द्र कुंडली

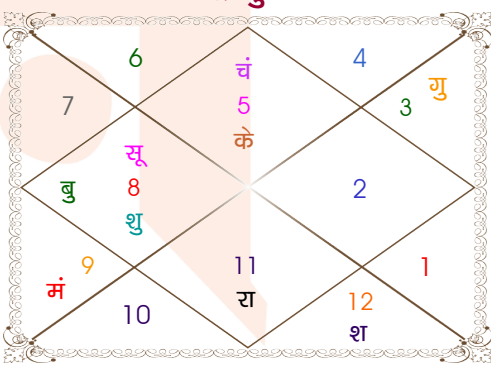

नवमांश कुंडली

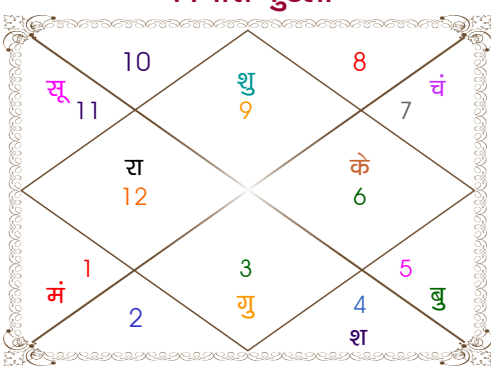

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 6 मास 30 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/12/2025		12/07/2033		12/07/2039		12/07/2049		11/07/2056	
12/07/2033		12/07/2039		12/07/2049		11/07/2056		12/07/2074	
	00/00/0000	सूर्य	29/10/2033	चंद्र	12/05/2040	मंगल	08/12/2049	राहु	25/03/2059
	00/00/0000	चंद्र	30/04/2034	मंगल	11/12/2040	राहु	26/12/2050	गुरु	17/08/2061
	00/00/0000	मंगल	05/09/2034	राहु	12/06/2042	गुरु	02/12/2051	शनि	23/06/2064
	00/00/0000	राहु	30/07/2035	गुरु	12/10/2043	शनि	10/01/2053	बुध	11/01/2067
	11/12/2025	गुरु	18/05/2036	शनि	12/05/2045	बुध	07/01/2054	केतु	29/01/2068
गुरु	12/05/2026	शनि	30/04/2037	बुध	11/10/2046	केतु	05/06/2054	शुक्र	29/01/2071
शनि	12/07/2029	बुध	06/03/2038	केतु	12/05/2047	शुक्र	06/08/2055	सूर्य	24/12/2071
बुध	12/05/2032	केतु	12/07/2038	शुक्र	10/01/2049	सूर्य	11/12/2055	चंद्र	23/06/2073
केतु	12/07/2033	शुक्र	12/07/2039	सूर्य	12/07/2049	चंद्र	11/07/2056	मंगल	12/07/2074

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/07/2074		12/07/2090		13/07/2109		13/07/2126		13/07/2133	
12/07/2090		13/07/2109		13/07/2126		13/07/2133		00/00/0000	
गुरु	29/08/2076	शनि	15/07/2093	बुध	09/12/2111	केतु	09/12/2126	शुक्र	11/11/2136
शनि	12/03/2079	बुध	24/03/2096	केतु	06/12/2112	शुक्र	08/02/2128	सूर्य	11/11/2137
बुध	17/06/2081	केतु	03/05/2097	शुक्र	06/10/2115	सूर्य	15/06/2128	चंद्र	13/07/2139
केतु	24/05/2082	शुक्र	03/07/2100	सूर्य	12/08/2116	चंद्र	14/01/2129	मंगल	11/09/2140
शुक्र	22/01/2085	सूर्य	15/06/2101	चंद्र	11/01/2118	मंगल	12/06/2129	राहु	12/09/2143
सूर्य	10/11/2085	चंद्र	15/01/2103	मंगल	09/01/2119	राहु	01/07/2130	गुरु	12/12/2145
चंद्र	12/03/2087	मंगल	23/02/2104	राहु	28/07/2121	गुरु	07/06/2131		00/00/0000
मंगल	16/02/2088	राहु	30/12/2106	गुरु	03/11/2123	शनि	15/07/2132		00/00/0000
राहु	12/07/2090	गुरु	13/07/2109	शनि	13/07/2126	बुध	13/07/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीतांबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।